10 লাখ BC

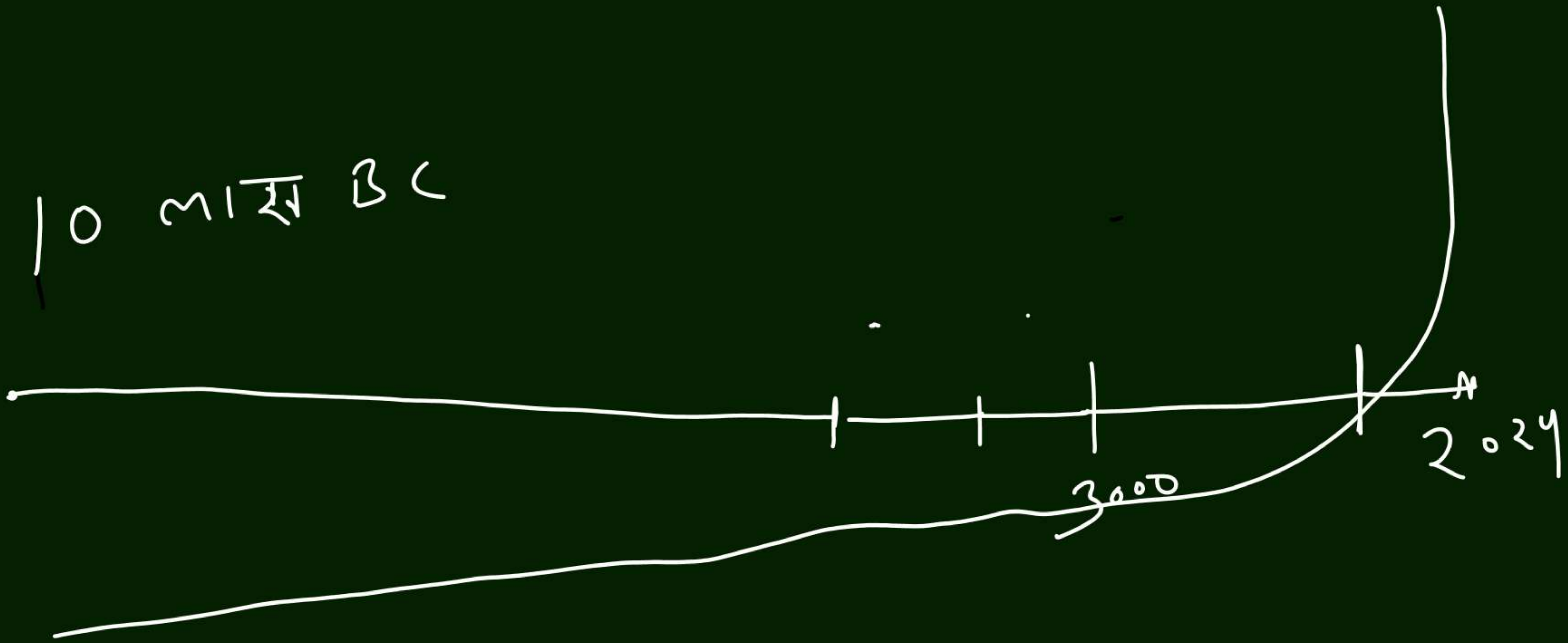

ताँबा

आहर - राज

जोर्वे - महा०

कायथा - म.प्र

मालवा -

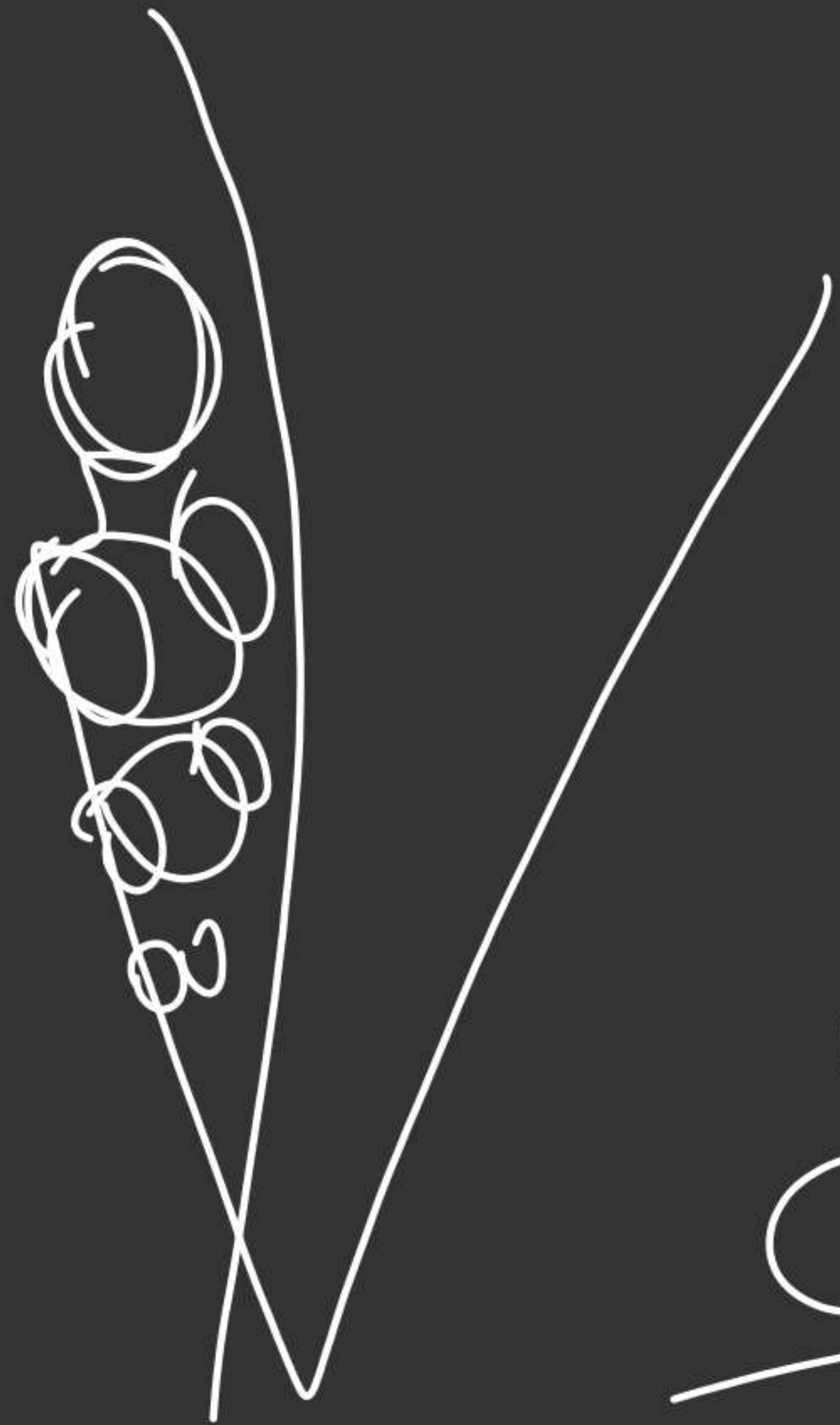

कृषि

लिपि

जाति

ताम्रपाषाणिक

Chalcolithic

मानव द्वारा सबसे पहले इस्तमाल किए जाने वाला धातु- तांबा, ताम्बे के साथ पाषाण उपकरणों का प्रयोग जारी रहा इसी लिए इस काल को **ताम्र पाषाणिक** काल भी कहते हैं।

ताम्बे की उपलब्धता भारत के पश्चिम भाग में है इसीलिए ताम्र पाषाणिक सभ्यताएँ भारत के पश्चिमी भाग में पायीं गयीं

ताम्बे की उपलब्धता भारत के पश्चिम भाग में है इसीलिए अधिकांश ताम्र पाषाणिक सभ्यताएँ भारत के पश्चिमी भाग में पायीं गयीं हैं।

- आहार संस्कृति - राजस्थान - गिलूण्ड, बालाथल
- कायथा संस्कृति - विंध्य पर्वतमाला, मध्य प्रदेश

जोर्वे संस्कृति - महाराष्ट्र (इनामगाँव, नासिक, नेवास, दैमावाद)

मालवा संस्कृति - दक्कन पठार

तांबा + टिन = कांसा

सिन्धु घाटी की सभ्यता — 1921, 1921

कपास

1500

सिन्धु घाटी की सभ्यता

(2500-1750 ई०पू०)

→ कनिंघम

5563

चार्ल्स मैसन → 1826

1700

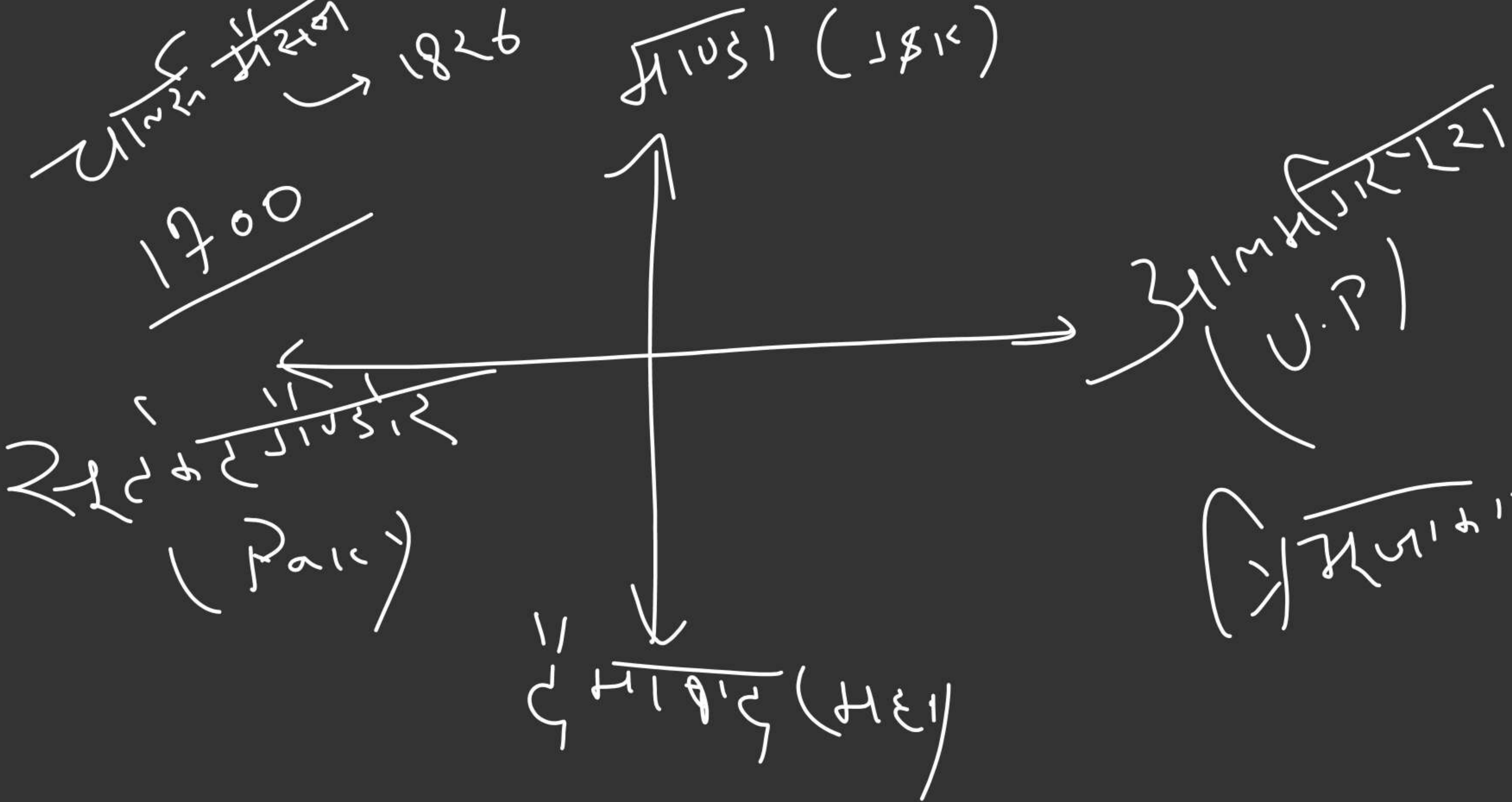

(?) मलवाकर

तांबा + टिन = काँसा ⟶ कांस्ययुगिन सभ्यता

↓

सिंधु घाटी की सभ्यता

सिंधु घाटी की सभ्यता 2500-1750 BC

कार्बन डेटिंग द्वारा निर्धारित काल

इस सभ्यता का नामकरण जॉन मार्शल ने किया

सभ्यता का आकार - त्रिभुजाकार था

समकालीन सभ्यता में ये सबसे बड़ी सभ्यता थी

मांडा (जम्मू कश्मीर) (चेनाब नदी)

सुतकागन दोर (पाकिस्तान)
(दाश्क नदी)

आलमगीरपुर (उत्तरप्रदेश
(हिंडन नदी)

दैमाबाद (महाराष्ट्र) (प्रवरा नदी)

समकालीन सभ्यता

(1) मेसोपोटामिया की सभ्यता – दजला और फरात
– इराक
– पहिया
– पंचांग
– पुरान
– शादूर

(2) मिस्र की सभ्यता - मिस्र → नील
- पिरामिड

③ चीन की सभ्यता
- चीन
- पीली नदी Hueng hi
ह्वांगहो

- Silk रेशम

④ सिन्धु घाटी की सभ्यता
→ 9डी सभ्यता

क्षेत्रफल - 13 लाख वर्ग km

सिंधु घाटी सभ्यता की पहली वृषव मुहर 1853 में अलेक्जेंडेर कनिंघम ने देखा।

अब तक क़रीब 1400 स्थल इस सभ्यता के खोजे जा चुके हैं।

समकालीन सभ्यता

1. मेसोपोटामिया की सभ्यता - दजला और फ़रात नदी - इराक़ - पंचांग, पहिया, गणितीय गणना, प्राचीनतम सभ्यता

2. मिस्र की सभ्यता - नील नदी - मिस्र - पिरामिड, मृत शरीर का संरक्षण

3. चीन की सभ्यता - पीली नदी, चीन - रेशम, काग़ज़, चीनी मिट्टी का बर्तन

4. सिंधु घाटी सभ्यता - सूती वस्त्र, व्यवस्थित नगर

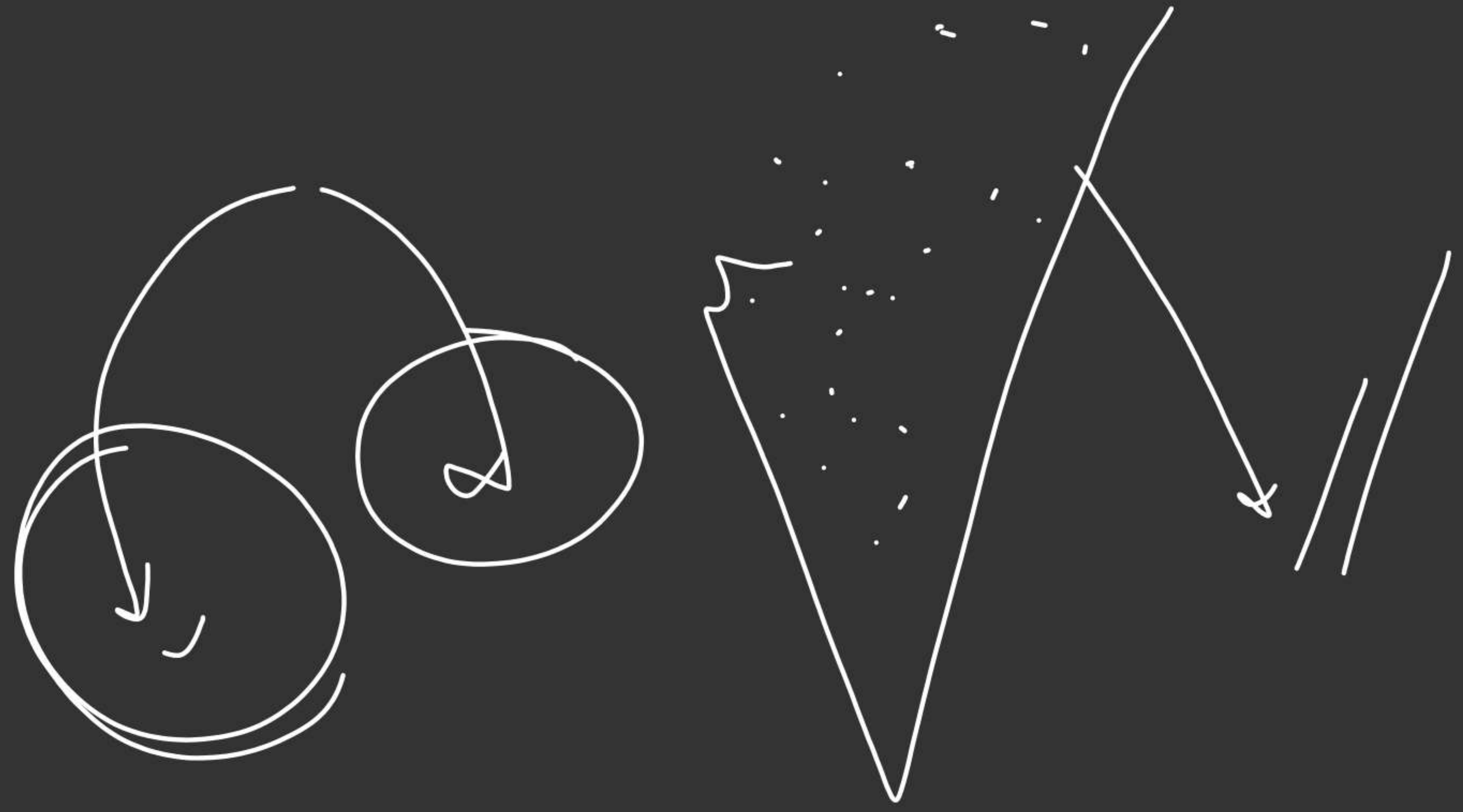

① हड़प्पा

→ 1921

→ दयाराम साहनी

→ पाकिस्तान, पंजाब

→ रावी

काजल

→ 2- पाकिस्तान

→ 3 अन्नागार

मानव धड़

कांसे की बैलगाड़ी

अब तक क़रीब 1400 स्थल इस सभ्यता के खोजे जा चुके हैं।

महत्वपूर्ण स्थल

1. हड़प्पा

- रावी नदी
- दयाराम साहनी
- पाकिस्तान पंजाब
- 1921

विशेषताएँ

- स्वास्तिक
- काजल
- अन्नागार
- मानव धड़
- नटराज की मूर्ति
- कांसे की बैलगाड़ी

कांसे की बैलगाड़ी

नटराज

मानव धड़

अन्नागार

२. मोहेंजोदड़ो
— 1922
→ राखल दास बनर्जी
— सिंध
→ सिंध – पाकिस्तान

महान अन्नागार
स्नानागार
कांसे की नर्तकी
पशुपति की मुहर

मेसोपोटामिया का मुहर

महत्वपूर्ण स्थल

2. मोहेंजोदारो (मृतकों का टीला)

- सिंधु नदी
- राखल दास मजूमदार
- सिंध पाकिस्तान
- 1922

विशेषताएँ

महान स्नानागार

महान अन्नागार

कांसे की नर्तकी

पशुपति शिव

(गैंडा, वृषव, हाथी, बाघ, हिरन)

सूती वस्त्र

पुरोहित राजा /

पुरोहित आवास

हाथी
बाघ
पशुपति की मुहर
हिरण

HARAPPA.COM

महत्वपूर्ण स्थल

3. लोथल

भोगवा नदी

- एस आर rao
- गुजरात
- 1953

विशेषताएँ

गोदीवाड़ा

माप तौल के बाट

धान की भुसी

युगल शवाधान

चेस का खेल

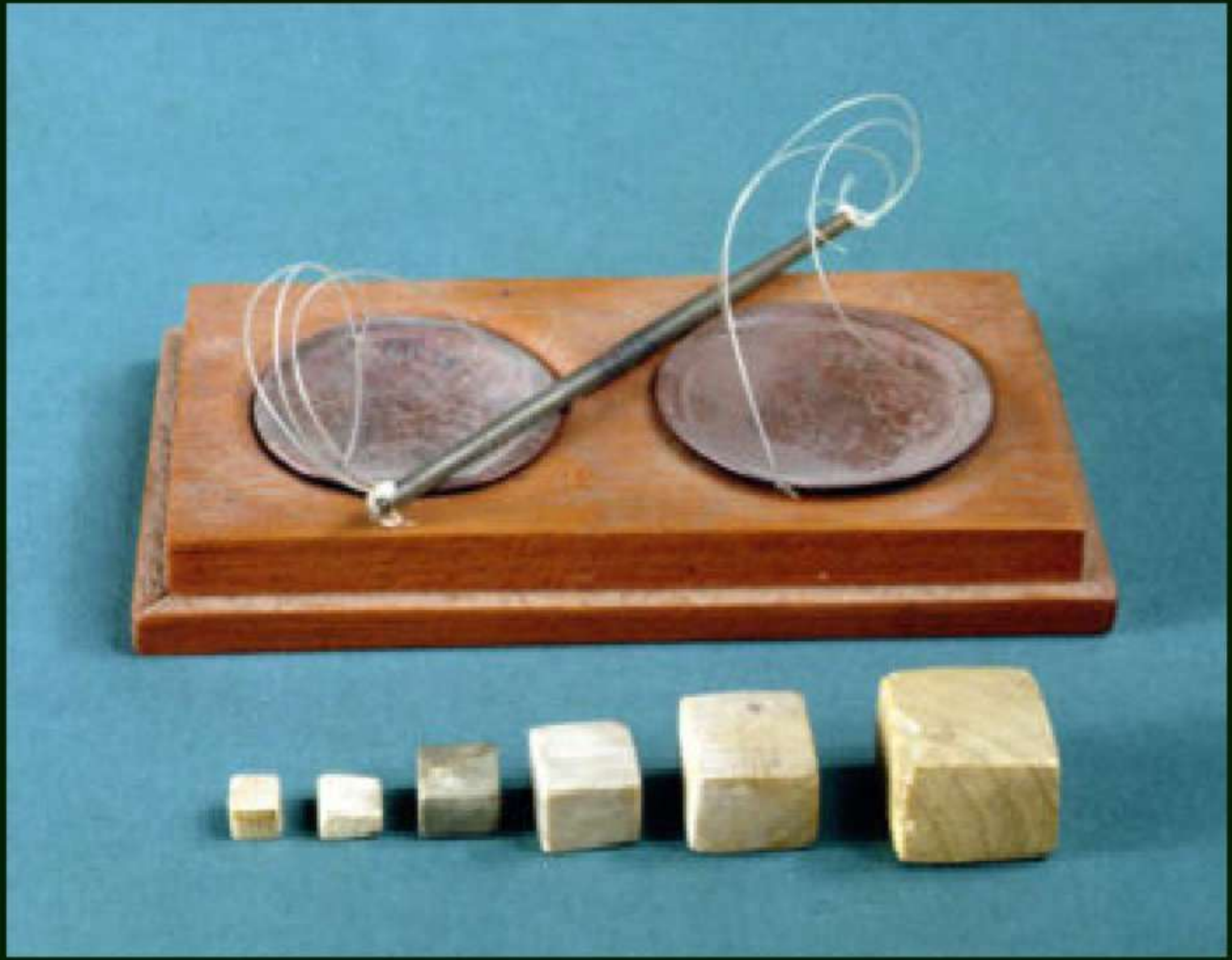

महत्वपूर्ण स्थल

4. चंहुदरो
नैनी चंद गोपाल मजूमदार

- सिंध पाकिस्तान
- सिंधु नदी
- 1931

विशेषताएँ

अधौगिक शहर
यहाँ मनका, मुहर, खिलौने एवं आभूषण का निर्माण होता था।
यहाँ से लिप्स्टिक मिला है
सुई धागा
बिल्ली का पीछा करता हुआ कुत्ते का पदचिंह

महत्वपूर्ण स्थल

5. कालिबंगा

अमला नंद घोष

- राजस्थान
- घग्गर नदी
- 1953

विशेषताएँ

जूता हुआ खेत

अग्नि वेदिका

काली चूड़ी

ऊँट की हड्डियाँ